पंजाब केसरी 20/04/2025

'भारतीय ज्ञान प्रणाली और आधुनिक विज्ञान प्रौद्योगिकी व संस्कृति के समन्वय' पर हुई राष्ट्रीय संगोष्ठी

अम्बाला, 19 अप्रैल (बलराम): छावनी के गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज ने हरियाणा उच्च शिक्षा विभाग के सहयोग से 'ब्रिजिंग द गैप: इंटीग्रेटिंग इंडियन नॉलेज सिस्टम विद मॉडर्न साइंस, टैक्नोलॉजी एंड कल्चर' विषय पर एक दिवसीय बहुविषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन सफलतापूर्वक किया। इस संगोष्ठी का उद्घाटन सह-संयोजक डा. मीनू राठी द्वारा विषय के परिचय के साथ किया गया।

प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने मुख्य अतिथि पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला में सैंटर फॉर एडवांस्ड स्टडी इन फिजिक्स के पूर्व अध्यक्ष डा. आर.सी. वर्मा और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया तथा आधुनिक प्रगति के साथ पारंपरिक भारतीय ज्ञान को एकीकृत करने के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा स्मारिका का विमोचन किया गया।डा. आर.सी. वर्मा ने विज्ञान एवं भारतीय दर्शन के समृद्ध इतिहास पर ध्यान केंद्रित किया और आधुनिक समय में इसकी प्रासंगिकता पर जोर दिया। संगोष्ठी के समन्वयक डा. कुलदीप यादव ने बताया कि पूरे भारत से 250 से अधिक बुद्धिजीवी, शिक्षाविद, शिक्षक, विद्वान और छात्र इस संगोष्ठी में शामिल हुए।

जी.एम.एन. कॉलेज में 'भारतीय ज्ञान प्रणाली और आधुनिक विज्ञान प्रौद्योगिकी व संस्कृति के समन्वय' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेते प्राचार्य, मुख्य अतिथि एवं अन्य।

मुख्य वक्ता पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ के इंटरडिसिप्लिनरी सैंटर फॉर स्वामी विवेकानंद स्टडीज के समन्वयक प्रो. शिवानी शर्मा ने भारतीय ज्ञान प्रणाली को संस्कृति के विशेष संदर्भ में एकीकृत करने के महत्व पर जोर दिया।

तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों डा. दीपक कुमार मलिक, डा. राजेश, डा. अनीता ग्रेवाल और डा. सरिता राणा ने की। डा. धर्मवीर सैनी, डा. राजेश सैनी, डा. प्रबलीन कौर और डा. गीता कौशिक ने तकनीकी सत्रों का समन्वय किया। समापन सत्र में प्रसिद्ध वैज्ञानिक डा. एस. मुरलीधर राव मुख्य वक्ता थे और शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास से जगराम मुख्य अतिथि थे। जगराम ने भारतीय ज्ञान प्रणाली के समयहीन प्रासंगिकता और योगदान पर प्रकाश डाला।

डा. शिखा जागी ने सर्वश्रेष्ठ मौखिक एवं पोस्टर प्रस्तुतकर्त्ताओं की घोषणा की और सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। मौखिक प्रस्तुति में हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल यूनिवर्सिटी, उत्तराखंड से डा. अमन कुमार शर्मा ने पहला स्थान, महाराजा रणजीत सिंह पंजाब टैक्निकल यूनिवर्सिटी, बठिंडा से मीनू चौधरी ने दूसरा स्थान और वी.वी. वन्नीपरुमल कॉलेज, विरुधुनगर, तमिलनाडु से डा. आर. श्रीभा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। पोस्टर प्रस्तुति में सैंट्रल यूनिवर्सिटी हिमाचल प्रदेश से कनुप्रिया और डा. प्रदीप कुमार ने पहला पुरस्कार जीता, जबकि गवर्नमैंट कॉलेज फॉर वुमन पंचकूला से डा. नीतू ने दूसरा और अजय सिंह रंधावा ने तीसरा स्थान हासिल किया।